शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

मंत्रिमंडल के लिए मार्च, 2021 माह के लिए मासिक सार:

मार्च, 2021 के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और मुख्य उपलब्धियां

1. **प्रधान मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास के उपयोग' पर वेबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।**

प्रधान मंत्री ने 3 मार्च, 2021 को उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास के उपयोग' पर वेबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

वेबिनार में शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, कौशल विकास, अंतरिक्ष, फार्मास्यूटिकल्स और रसायन और पेट्रोकेमिकल्स मंत्रालयों / विभागों के हितधारकों ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

इसका उद्देश्य वर्षों कें दौरान नियोजनीयता और उद्यमशीलता क्षमताओं को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य के साथ विशेषज्ञों और क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में बजट प्रावधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के तरीकों पर मंथन और चर्चा करना था ।

2. शिक्षा मंत्री ने यूनेस्को के महानिदेशक के साथ बैठक की

शिक्षा मंत्री ने 25 मार्च, 2021 को यूनेस्को के महानिदेशक सुश्री ऑड्रे अज़ोले के साथ एक आभासी बैठक की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विशेष रूप से शिक्षा क्षेत्र में कोविड महामारी के लिए भारत की प्रतिक्रिया, भारत यूनेस्को सहयोग से संबंधित अन्य सहित, पारस्परिक महत्व के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। उच्चतर शिक्षा सचिव, यूनेस्को के प्रतिनिधिमंडल और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, शिक्षा मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि देश के सबसे दूर के हिस्से में भी शिक्षा अंतिम बच्चे तक पहुंचे। इस संदर्भ में उन्होंने देश भर

के बच्चों के लिए शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई पहलों के बारे में बताया।

सुश्री ऑड्रे अज़ोले ने कोविड की चुनौतियों को कम करने और देश के अंतिम छात्र को टीवी, रेडियो, ऑनलाइन आदि के माध्यम से छात्रों को शिक्षा प्रदान करके महामारी के दौरान शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने में भारत सरकार की प्रतिक्रिया की सराहना की।

3. विषय 2021 द्वारा क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का अनावरण

विषय 2021 द्वारा क्यूएस (क्वैकरेलेली साइमंड्स) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग का अनावरण, 4 मार्च, 2021 को शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक 'की उपस्थिति में किया गया था। इस वर्ष, इसमें पाँच विदेशी विषयों के क्षेत्र में 51 विषय शामिल हैं।

12 भारतीय संस्थानों ने इसे विश्व के शीर्ष 100 में शामिल किया है- आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास, आईआईटी खड़गपुर, आईआईएससी बैंगलोर, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम अहमदाबाद, जेएनयू, अन्ना विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, और ओपी जिंदल विश्वविद्यालय।

इन 100 शीर्ष संस्थानों में से आईआईटी मद्रास को पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के लिए विश्व में 30वां स्थान दिया गया है, आईआईटी बॉम्बे को 41वें स्थान पर और आईआईटी खड़गपुर को खनिज और खनन इंजीनियरिंग के लिए विश्व में 44वाँ स्थान दिया गया है और विकास अध्ययन के लिए विश्व में दिल्ली विश्वविद्यालय को 50वां स्थान दिया गया है ।

शिक्षा मंत्री ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार द्वारा भारतीय उच्च शिक्षा में सुधार और सुधार पर निरंतर ध्यान देने के परिणामस्वरूप क्यूएस जैसी विश्व स्तर पर प्रशंसित और प्रतिष्ठित रैंकिंग में भारतीय संस्थानों के प्रतिनिधित्व में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इन रैंकिंग और रेटिंग ने भारतीय संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है, जो उन्हें वैश्विक उत्कृष्टता की ओर प्रेरित कर रहा है।

4. पहली बार आभासी पुस्तक मेला नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का आयोजन 6 मार्च से - 9 मार्च, 2021 तक किया गया।

शिक्षा मंत्री ने नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा आयोजित विश्व पुस्तक मेला 2021 के आभासी संस्करण का उद्घाटन किया। इस वर्ष का विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 है।

मंत्री ने एनईपी-2020 की कार्यान्वयन नीति के तहत एनबीटी द्वारा प्रकाशित 17 द्विभाषी शीर्षक भी शुरू किए। ये शीर्षक बच्चों के लिए द्विभाषी संस्करण श्रृंखला के अंतर्गत द्विभाषी संस्करण श्रृंखला में प्रकाशित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य एनईपी 2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार बच्चों के लिए पूरक पठन सामग्री का निर्माण करना है ताकि उनकी देश के बहुभाषी बनावट के अनुकूल होने में सहायता की जा सके।

5. शिक्षा मंत्री ने आईआईएम जम्मू में आनंदम: द सेंटर फॉर हैपीनेस का शुभारंभ किया

शिक्षा मंत्री ने आभाषी रूप से "आनंदम: द सेंटर फॉर हैपीनेस" का उद्घाटन किया और नए उद्यम के लिए आईआईएम जम्मू को बधाई दी और "आनंदम: द सेंटर फॉर हैपीनेस" की आवश्यकता को परिभाषित किया।

"आनंदम: द सेंटर फॉर हैपीनेस" की अवधारणा के तहत परिकल्पित की गई प्रमुख गतिविधियाँ पाँच व्यापक श्रेणियों में विभाजित की जाएंगी, जैसे, परामर्श, समग्र कल्याण, आनंद विकास, अनुसंधान और नेतृत्व और संकाय विकास पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम। केंद्र के लिए सलाहकार बोर्ड के विशेषज्ञों में शिक्षाविदों, अनुसंधान और उद्योग के कई विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

6. एनईपी का कार्यान्वयन:

(i) अंतर मंत्रालयी परामर्श के बाद, राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम (एनएटीएस) के लिए अंतिम कैबिनेट नोट कैबिनेट सचिवालय के कार्यालय को अवलोकनार्थ एवं सचिवालयीय अनुमोदन हेतु भेजा गया है।

(ii) एनईपी में परिकल्पित एमईआरयू (बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालयों) के लिए प्रावधानों को शामिल करके राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के लिए ईएफसी।

(iii) तकनीकी शिक्षकों के लिए मेंटरशिप प्रोग्राम के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा स्वयम के माध्यम से ऑनलाइन शुरू हुई है और मार्च-जून सेमेस्टर में लगभग 11000 नवप्रवेशित शिक्षकों ने इसके लिए पंजीकरण कराया है।